Total No. of Questions - 3] [Total Pages : 3

(2022)

9267

M.A. Examination

HINDI

(समकालीन हिन्दी उपन्यास)

Paper–XVI-(ii)

(Semester–IV)

Time : Three Hours] [Max. Marks : {Regular : 80, Pvt. : 100}

परीक्षार्थी अपने उत्तरों को दी गयी उत्तर-पुस्तिका (40 पृष्ठ) तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त पृष्ठ जारी नहीं किया जाएगा।

नोट : सभी प्रश्न कीजिए।

1. निम्नलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) ओ महाराज, बच्चों को लाठी चलाना जरूर सिखाओ, नेजा और तलवार चलाना भी सिखाओ, सूरमा बन जायेंगे हमारे बेटे, पर सबसे पहले डिप्टी-कमिश्नर से मिलो, उससे कहो कि शहर में फिसाद नहीं होने दे। डिप्टी-कमिश्नर का बड़ा दबदबा है।

अथवा

"हमें एक-एक गली का मालूम है कि वहां कौन इत्र खरीदता है। जिस मर्द की दो बीवियाँ हों वह जरूर इत्र लेता है, वह वसमा भी लेगा और सुरमा भी लेगा। वह मर्द भी इत्र खरीदता है जो उम्र में बड़ा हो और जिसकी जवान बीवी हो। अच्छा, और बताऊँ?"

(ख) मैं यह भूल गयी हूँ हम दोनों एक ही कब्र के साझीदार हैं। और सोचती हूँ तो केवल एक ही बात– कि अब साझीदार कब हट जाएगा, और मैं इस कब्र में अकेली रह जाऊँगी।

अथवा

वरण की स्वतंत्रता कहीं नहीं है, हम कुछ भी स्वेच्छा से नहीं चुनते हैं, ईश्वर भी शायद स्वेच्छावादी ही नहीं है– उसे भी पुष्टि करनी ही है क्योंकि उन्माद से बचने के लिए सृजन अनिवार्य है, वह सृष्टि नहीं करेगा तो पागल हो जाएगा।

(ग) नहीं, हमें पाप में मत डालो बहूजी कसम दिलाकर! हम कुछ नहीं लेंगे। भगवान के दरबार में जा रहे हैं, रुपया-पइसा का होगा क्या? देना ही है तो एक वचन दे दो कि हमारे बंटी भय्या को जैसा आपने विसरा दिया है आजकल, वैसा और मत करना। बाप के रहते यह बिना बाप का हो रहा, अब माँ के रहते यह बिना माँ का न हो जाए.....।

अथवा

मम्मी ने खींचकर उसे अपने सामने किया। उसके दोनों कंधों पर हाथ रखे उसे देखती रहीं। बस, देखती रहीं। न कुछ कहा, न प्यार दिया। क्या था उन नजरों में? गुस्सा, फटकार, प्यार, खुशी– बंटी कुछ भी तो नहीं समझ पाया। 3×7=21

(3×10=30)

2. (क) 'तमस' उपन्यास में विभाजन पूर्व जन मानस की अभिव्यक्ति का विश्लेषण और मूल्यांकन कीजिए।

(ख) 'अपने-अपने अजनबी' की भाषा-शैली का विवेचन कीजिए।

(ग) 'आपका बंटी' में चित्रित बाल मनोविज्ञान का विश्लेषणात्मक विवेचन कीजिए।

(घ) 'अपने-अपने अजनबी' की सेलमा अथवा योके का चारित्रिक विश्लेषण कीजिए।

(ङ) 'तमस' के 'नत्थु' का चरित्र विश्लेषण कीजिए। 3×18=54

(3×20=60)

3. निम्नलिखित लघु प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए :

(क) 'तमस' के शीर्षक की सार्थकता पर टिप्पणी लिखिए।

(ख) 'अपने-अपने अजनबी' के मूल कथ्य को स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'आपका बंटी' में शकुन की मानसिक पीड़ा पर टिप्पणी लिखिए।

(घ) 'अपने-अपने अजनबी' की संवाद कला पर टिप्पणी लिखिए।

(ङ) 'तमस' में अंग्रेज सरकार के प्रशासन की भूमिका पर टिप्पणी लिखिए। 5×1=5

(5×2=10)